प्रसार भारती
भारतीय प्रसारण निगम
आकाशवाणी केन्द्र शिमला
26.04.2026 / प्रादेशिक समाचार / 10:45बजे

मन की बात

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अब के कुछ देर बाद सुबह 11 बजे आकाशवाणी पर मन की बात कार्यक्रम में लोगों से अपने विचार साझा करेंगे। यह मासिक रेडियो कार्यक्रम की 133वीं कड़ी होगी। कार्यक्रम का प्रसारण आकाशवाणी और दूरदर्शन के समूचे नेटवर्क पर किया जाएगा। इसका सीधा प्रसारण एआईआर न्यूज़, डीडी न्यूज़, प्रधानमंत्री कार्यालय और सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय के यूट्यूब चैनलों पर भी होगा। आकाशवाणी से क्षेत्रीय भाषाओं में भी इसका प्रसारण किया जाएगा।

राष्ट्रपति

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू कल 27 अप्रैल से हिमाचल प्रदेश के आधिकारिक दौरे पर शिमला पहुंचेंगी। 6 दिवसीय दौरे के दौरान राष्ट्रपति शिमला के निकट छराबड़ा स्थित राष्ट्रपति निवास द रिट्रीट में ठहरेंगी। राष्ट्रपति का 29 अप्रैल को अटल टनल रोहतांग का दौरा करने का कार्यक्रम है। इसके अलावा 30 अप्रैल को राष्ट्रपति चौधरी सरवण कुमार कृषि विश्वविद्यालय पालमपुर के दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगी। इसी दिन राष्ट्रपति आरट्रैक शिमला में भी एक कार्यक्रम में भाग लेंगी। राष्ट्रपति का 2 मई को शिमला से दिल्ली लौटने का कार्यक्रम है।

राष्ट्रपति के दौरे को देखते हुए राज्य सरकार ने सुरक्षा व्यवस्था सहित अन्य तैयारियां पूरी कर दी हैं। राजधानी शिमला में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए एक हज़ार से अधिक जवानों की तैनाती की गई है। डीआईजी साउथ रेंज अंजुम आरा ने बताया कि शिमला शहर को तीन सेक्टरों में बांटा गया है और जहां भी राष्ट्रपति का कार्यक्रम निर्धारित है, वहां वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किए गए हैं।

राष्ट्रपति शिमला का दौरा करें उनके अलग–अलग स्थान पर दौरे हैं तो वहां पर उनकी सिक्योरिटी और सेफ्टी के लिए जो भी इंतजाम करने थे वह प्रॉपर हम कर चुके हैं इसके अलावा ट्रैफिक पार्टिकुलर जब वी.आई.पी की मूवमेंट होगी प्रॉपर प्लान किया हुआ है एक तो मोमेंट के दौरान किसी तरह की कोई कोताही ना हो और दूसरा जो है आम लोगों को भी किसी तरह की कोई और असुविधा न हो इसके लिए भी इंतजाम किए गए हैं हमने लगभग 1000 के आसपास लोगों को डेप्लॉय किया है हमने जो है इस समय जहां प्रोग्राम है उसके अलावा रूट को हमने अलग से जो है 3 सेक्टर में डिवाइड किया हुआ है

राष्ट्रपति––2

इस बीच, राष्ट्रपति के दौरे के दृष्टिगत 28 व 29 अप्रैल को कुल्लू ज़िला में साहसिक खेल व हवाई गतिविधियों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया गया है। ज़िला उपायुक्त ने बताया कि राष्ट्रपति के संभावित भ्रमण मार्ग व आसपास के क्षेत्रों में किसी प्रकार की खुदाई, उत्खनन या ट्रैचिंग कार्य पर भी पूर्ण रोक लगाई गई है।

प्रदेश उच्च न्यायालय

प्रदेश उच्च न्यायालय ने हिमाचल प्रदेश भर्ती एवं सरकारी कर्मचारियों की सेवा की शर्त अधिनियम, 2024 को असंवैधानिक करार देते हुए रद्द कर दिया है। न्यायमूर्ति विवेक सिंह ठाकुर और न्यायमूर्ति रोमेश वर्मा की खंडपीठ ने 450 याचिकाओं पर एक साथ फैसला सुनाते हुए कहा कि यह अधिनियम संविधान के प्रावधानों के विपरीत है। अदालत ने स्पष्ट किया कि राज्य विधानमंडल को ऐसे कानून बनाने का अधिकार नहीं है जो न्यायपालिका के आदेशों को पूरी तरह समाप्त कर दें। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिए हैं कि प्रभावित कर्मचारियों को तीन माह के भीतर देय वित्तीय लाभ और वरिष्ठता प्रदान की जाए। यह मामला उन हजारों कर्मचारियों से जुड़ा था जिन्हें वर्ष 2003 के बाद अनुबंध आधार पर नियुक्त किया गया था और बाद में नियमित किया गया। इस फैसले से प्रदेश के हजारों कर्मचारियों को राहत मिलेगी।

बागवानी–सलाह

जनजातीय जिला किन्नौर में बागवानी विभाग ने नकदी फसल सेब के रखरखाव को लेकर बागवानों को विशेष सलाह दी है। हाल ही में मौसम खराब रहने के कारण कई क्षेत्रों में फ्रूट सेटिंग पर असर पड़ा था, लेकिन अब मौसम साफ होने के बाद बगीचों में फल सेट होना शुरू हो गया है। बागवानी विभाग के विषय विशेषज्ञ रुपेश कुमार नेगी ने बताया कि जिन बगीचों में फल सेट हो चुका है वहां फफूंदनाशी दवाइयों का छिड़काव करना बेहद जरूरी है ताकि फसल को रोगों से बचाया जा सके। विस्तृत ब्यौरा हमारी किन्नौर जिला संवाददता से।

बागवानी विभाग के विषय विशेषज्ञ रुपेश कुमार नेगी ने बताया कि जिन बगीचों में फल सेट हो चुका है वहां फफूंदनाशी दवाइयों का छिड़काव करना बेहद जरूरी है ताकि फसल को रोगों से बचाया जा सके। इसके लिए कंटॉफ, बेवस्टीन, माइक्रोबुटानिल, निर्धारित मात्रा में घोल बनाकर छिड़काव किया जा सकता है।वहीं, किन्नौर के ऊंचाई वाले इलाकों में अभी फूल आने (फ्लावरिंग) का समय चल रहा है। इस दौरान बागवानों को कीटनाशकों का प्रयोग नहीं करना चाहिए, क्योंकि इससे मधुमक्खियों द्वारा परागण प्रक्रिया प्रभावित होती है और फल बनने में कमी आ सकती है।इसके अलावा, जिन बागवानों ने नए सेब के पौधे लगाए हैं, उन्हें बढ़ती गर्मी को देखते हुए मिट्टी में नमी बनाए रखने पर विशेष ध्यान देना चाहिए। इसके लिए पौधों के आसपास मल्चिंग करना फायदेमंद रहेगा। मल्चिंग के लिए प्लास्टिक शीट या सूखी घास का इस्तेमाल किया जा सकता है, जिससे पौधों की अच्छी वृद्धि होगी और वे सूखे के तनाव से बचे रहेंगे।

प्रतिनिधिमंडल

लाहौल–स्पीति के कोकसर क्षेत्र में प्रस्तावित चिनाब नदी डायवर्शन प्रोजेक्ट को लेकर कोकसर पंचायत के वरिष्ठ नागरिकों और पंचायत प्रतिनिधियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू से मुलाकात कर अपनी चिंताएं व्यक्त की हैं। मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि इस मुद्दे को केंद्र सरकार और केंद्रीय जल आयोग के समक्ष उठाकर क्षेत्र के हितों की रक्षा की जाएगी। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह प्रोजेक्ट उनके पर्यावरण और आजीविका पर असर डाल सकता है, इसलिए वे अपने अधिकारों के लिए किसी भी स्तर तक जाने को तैयार हैं।

————————————